खबर संक्षेप

ग्राम पंचायत पटेहरा के नल में लगा गंदगी का अंबार

नारायणगंज। एक तरफ राज्य एवं केंद्र सरकार स्वछता और साफ पानी के कितने अभियान चला रही है इसी बीच एक मामला जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पटेहरा जो नल जल में खर्च के लिए विख्यात है फिर भी यहां के नालों के चेंबर में गंदगी का अंबार लगा हुआ साफ-सफाई के नाम पर यहां कुछ भी नजर नहीं आता है नालों के साइड से सोखता पिट बने हुए है परंतु वहाँ गंदा पानी लबा लब भरा हुआ देखा जा सकता है हैंडपंप के पानी को ग्रामीण रोजाना अपने घरेलू उपयोग में लाते हैं इस तरह के गंदगी भरे हैंडपंप परिसर के पानी को उपयोग करने पर मजबूर हैं जिसे उपयोग करने से ग्रामीण जन बीमारी से ग्रसित हो सकते है ग्रामीण जनों की मांग है कि हैंडपंप परिसर को साफ-सुथरा किया जाए जिससे ग्रामीण बीमारी से बचे रहें।

जिला कुश्ती संघ की सामान्य बैठक हुई संपन्न

मण्डला। कल जिला कुश्ती संघ की सामान्य बैठक संपन्न हुई जिसमें जिला कुश्ती संघ विचार विमर्श एवं तिथि निर्धारित की गई। जिला कुश्ती संघ के चुनाव के संबंध में सभी ने अपने-अपने विचार से संघ को अवगत कराया। जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने अपने विचार रखते हुए चुनाव दिनांक निश्चित करने के लिए कहा, चंद्रशेखर सिंधिया ने युवाओं को आगे लाने का विचार रखा, शिवराज कछवाहा ने निर्विरोध सर्वसम्मति से चुनाव होने पर बल दिया। सभी की सहमति से जिले के सभी अखाड़ा के समिति एवं उस्ताद खलीफाओं, कुश्ती प्रेमी, दंगल आयोजको को बैठक में आमंत्रित करने का सुझाव दिया गया।

हाईस्कूल शिक्षक को माध्यमिक शाला में संलग्न करने का निर्णय

दांव पर लगा बच्चों का भविष्य

*** उच्च शिक्षा पर लग रहे प्रश्नचिन्ह।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के बिछिया विकासखंड स्थित माध्यमिक शाला डुगरिया संकुल केंद्र लफरा में शैक्षणिक व्यवस्था को सुधारने के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि शाला में गणित के शिक्षक का पद खाली था। इसके बाद, तत्काल शिक्षक की नियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। जनजातीय कार्य विभाग मण्डला के निर्देश पर, विकास खंड शिक्षा अधिकारी बिछिया ने हाईस्कूल धुतका संकुल केंद्र लफरा के गणित शिक्षक राजेन्द्र हरदहा को डुगरिया शाला में शैक्षणिक व्यवस्था हेतु संलग्न किया।

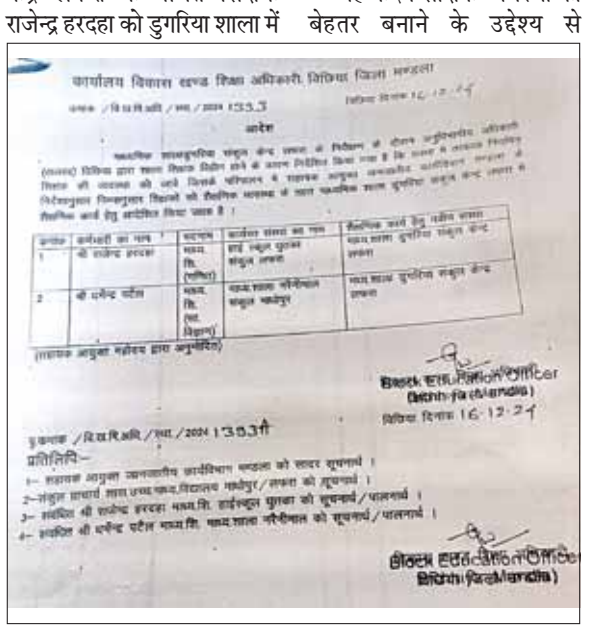

कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बिछिया जिला मण्डला

आदेश

क्रमांक	कर्मचारी का नाम	पदनाम	कार्यरत संस्था का नाम	शैक्षणिक कार्य हेतु संलग्न संस्था
1	श्री राजेन्द्र हरदहा	मध्य. शि. (गणित)	हाई स्कूल धुतका संकुल लफरा	मध्य.शाला डुगरिया संकुल केन्द्र लफरा
2	श्री धर्मेन्द्र पटेल	मध्य. शि. (सा. विज्ञान)	मध्य.शाला नरेनीमाल संकुल मझोपुर	मध्य.शाला डुगरिया संकुल केन्द्र लफरा

(सहायक आयुक्त महोदय द्वारा अनुमोदित)

Block Education Officer
(Bichhiya District Mandla)

क्रमांक /वि.वि.अधि./मण्डला/2024/13537 दिनांक 16-12-24

प्रतिलिपि-
1- सहायक आयुक्त जनजातीय कार्यविभाग मण्डला को सादर सूचनार्थ।
2- संकुल प्राचार्य मध्य.उच्च.मध्य.विद्यालय मझोपुर/लफरा को सूचनार्थ/पालनार्थ।
3- संबंधित श्री राजेन्द्र हरदहा मध्य.शि. हाईस्कूल धुतका को सूचनार्थ/पालनार्थ।
4- संबंधित श्री धर्मेन्द्र पटेल मध्य.शि. मध्य.शाला नरेनीमाल को सूचनार्थ/पालनार्थ।

Block Education Officer
(Bichhiya District Mandla)

यह कदम शैक्षिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि डुगरिया शाला शिक्षक विहीन थी और यहां शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट आ रही थी। हालांकि, इस कदम से एक बड़ा सवाल खड़ा हुआ है कि क्या हाईस्कूल धुतका, जहां गणित जैसे महत्वपूर्ण विषय की पढ़ाई हो रही है, वहां के बच्चों के भविष्य को खतरे में डालते हुए गणित शिक्षक को मिडिल स्कूल में भेजा जा सकता है?

हाईस्कूल धुतका में दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा नजदीक है, और ऐसे में गणित विषय की पढ़ाई में कोई कमी या व्यवधान बच्चों के परिणाम पर गंभीर असर डाल सकता है। यहां के अभिभावक चिंतित हैं कि उनके बच्चों का भविष्य खराब हो सकता है, क्योंकि गणित एक महत्वपूर्ण विषय है, और इसे सही तरीके से पढ़ाया जाना आवश्यक है।

विभाग से यह सवाल उठ रहा है कि क्या जिले के मुख्यालय के निकट स्थित स्कूलों में एक-एक विषय के लिए दो-दो शिक्षक नियुक्त किए गए हैं? वहां से किसी शिक्षक को डुगरिया शाला में भेजा जा सकता था? या फिर गणित विज्ञान छोड़कर अन्य विषय के शिक्षक को वहां संलग्न किया जा सकता था, ताकि हाईस्कूल धुतका की पढ़ाई पर कोई प्रभाव न पड़े?

तत्कालीन कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा आदेश क्र मांक/385/स्टेनो/2023, दिनांक 29/09/2023 में उल्लेख था कि जिले में जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत पदस्थ शिक्षक/अधिकारियों का संलग्नीकरण केवल जिला कलेक्टर के अनुमोदन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के हस्ताक्षर से ही किया जाएगा। क्या इस संलग्नीकरण में कलेक्टर या सीईओ जिला पंचायत से अनुमोदन लिया गया है?

वहीं आयुक्त, जनजातीय कार्यालय के आदेश क्रमांक/स्था.4/टी (27)/2024/23422, भोपाल, दिनांक 10/12/2024 में यह स्पष्ट निर्देश दिया गया कि मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार संभाग/ जिला स्तर पर कर्मचारी/अधिकारियों/शिक्षक संवर्ग का संलग्नीकरण नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद जिले में संलग्नीकरण प्रक्रिया जारी है।

बच्चों के अभिभावकों ने इस मामले को गंभीरता से लेने की मांग की है और गणित शिक्षक राजेन्द्र हरदहा को अन्यत्र संलग्न करने का विरोध किया है। उनका कहना है कि डुगरिया स्कूल में शिक्षक की व्यवस्था किसी अन्य स्कूल से की जाए, ताकि धुतका हाईस्कूल की पढ़ाई पर कोई असर न पड़े और बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहे।

यह मामला विभाग के लिए चुनौतीपूर्ण बन गया है और अब देखना होगा कि विभाग इस मामले में क्या कदम उठाता है, ताकि बच्चों की शिक्षा में कोई व्यवधान न आए और उनकी बोर्ड परीक्षा की तैयारी पर असर न पड़े।

इनका कहना है :-

उच्च अधिकारियों के निर्देश पर यह व्यवस्था अस्थाई तौर पर शिक्षक विहीन शाला के लिए की गयी है, जैसे जिले से मा. शाला डुंगरिया से शिक्षक की पूर्ति हो जायेगी, वैसे ही संलग्न शिक्षक अपनी मूल शाला मे चले जायेंगे।

-कुलदीप कठहल, बीईओ बिछिया

एसबीआई ने पुलिस पेंशनर संघ के उपाध्यक्ष को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया महाराजपुर शाखा के ब्रांच मैनेजर अभिषेक रंजन और उनकी टीम ने पुलिस पेंशनर संघ मध्यप्रदेश के उपाध्यक्ष अम्बिका तिवारी को नए साल के अवसर पर सम्मानित किया। इस मौके पर रंजन और उनके स्टाफ ने श्री तिवारी को बैंक की तरफ से एक कैलेंडर और डायरी भेंट की, जिससे उन्हें नए साल की शुभकामनाएँ दीं।

इस आयोजन के दौरान रंजन ने कहा कि बैंक अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा देने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है और सामाजिक सरोकार में भी अपनी भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक और पुलिस पेंशनर संघ के बीच सहयोग से समाज में एक सकारात्मक माहौल बनेगा।

श्री तिवारी ने बैंक के इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम समाज में आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देते हैं।

इस अवसर पर बैंक स्टाफ और पुलिस पेंशनर संघ के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन एक सकारात्मक माहौल में हुआ, जहाँ बैंक की सेवाओं और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर चर्चा की गई।

नव जागृति ग्राम विकास समिति के द्वारा जनसुनवाई में दिया आवेदन

मण्डला। नव जागृति ग्राम विकास समिति के द्वारा कलेक्टर को जनसुनवाई में आवेदन दिया गया जिसमें सरपंच, सचिव के द्वारा किए गए वित्तीय अनियमित एवं भ्रष्टाचार की जांच रिपोर्ट पर कार्यवाही करने का आवेदन किया दिया गया विषय यह था कि सरपंच सचिव के विरुद्ध जांच कराई गई थी लेकिन आज दिनांक तक विभाग के द्वारा उस जांच रिपोर्ट पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई थी इसके संदर्भ में समिति के सदस्यों एवं ग्राम वासियों ने कलेक्टर से मिलकर जनसुनवाई में इस विषय को लेकर आवेदन दिया और जल्द से जल्द जांच रिपोर्ट पर कार्यवाही करने की बात कही।

शिक्षकों की अपडाऊन प्रणाली से अध्यापन कार्य प्रभावित

सांईखेड़ा। जहां एक ओर देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाते हुए मनमानी राशि खर्च की जा रही है, वही दूसरी ओर स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी के चलते बच्चों की अच्छी पढ़ाई नही हो पा रही है इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक शासकीय स्कूलों में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जहां सैकड़ो छात्र छात्राएं अध्यनरत है वही शासकीय में पदस्थ अनेक शिक्षको अप डाऊन करने के कारण शालाओं में समय पर उपस्थित नही हो पाते है, इस कारण से कई शासकीय विद्यालयों की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यदि क्षेत्र के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में देखा जावे तो अनेक शिक्षिकों की अनुपस्थिति बनी रहती है? वही ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलम आसानी से देखा जा सकता है, शिक्षा विभाग अच्छे वार्षिक परिणामों के लिए सतत प्रयासरत है वही शासकीय शालाओं में शिक्षक गण देरी से पहुंचते है एवं समय के पहले शालाओं से कूंच कर देते है, जिसमें बताया जाता है कि अधिकांश शिक्षक शिक्षाकाएं बाहर से ट्रेनों के माध्यम से अप डाऊन करते हुए गाडरवारा से बस पकड़ने के बाद यहां तक पहुंच पाते है ऐसे में ट्रेन की लेट लतीफी के कारण वह समय पर शाला नही पहुंच पाते, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शासकीय शालाओं का अकास्मिक निरीक्षण करना चाहिए क्योंकि कई शिक्षक 2 दिन की छुट्टी की मंजूरी और सप्ताह भर छुट्टी मनाते है, ऐसे मै पढ़ाई प्रभावित होती है वही नौनिहालों के भविष्य की चिंता भी अभिभावक को सता रही है? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कहने के लिए तो चीचली ब्लाक मुख्यालय में अनेक शासकीय कार्यालय स्थापित है मगर उनका संचालन अन्य दूसरी जगहो से होने के कारण यहां के शिक्षा विभाग के लिए बने हुए कार्यालयों में मात्र दिखाबा ही साबित होकर रह गये है?

टुल्लू पंप कम कर रहे जल का प्रवाह कम, गरीबों के नलो से निकल रही हवा?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। हर वर्ष बारिश के आभाव के चलते लगातार गिरते हुए जल स्तर से जहां लोगो को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। वही लोगों के घर ही जल व्यवस्था सार्वजानिक नलो पर ही आश्रित होती जा रही है? नगर में नपा. द्वारा संचालित जल वितरण व्यवस्था को नगरवासियो द्वारा टुल्लू पंपो का प्रयोग कर नलो के जल प्रवाह को कम कर रहे है। वही दूसरी ओर टुल्लू पम्प के प्रयोग से दूसरों के हिस्से का पानी भी छीन लेते है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस वर्ष अच्छी बारिश न होने के कारण लगातार गिरते हुये जल स्तर के कारण नगर के अनेक क्षेत्रो में जल संकट की स्थिति निर्मित होने लगी है? नगर में अधिकतर लोगो के यहां जल आपूर्ति नपा की शासकीय नलो की माध्यम से होती है। परंतु बिना मशक्कत के ज्यादा पानी प्राप्त करने के लालच के कारण नागरिको द्वारा खुलेआम घर के बाहर नलो पर टुल्लू पंपो का प्रयोग किया जा रहा है, जिसके कारण नगर की जल आवंटन व्यवस्था पूरी तरह गड़बड़ाती हुई नजर आ रही है। बताया जाता है कि जिस वक्त नल आते है उसी समय नगर में घूमकर देखा जाये तो पता चल जायेगा कि सैकड़ो की तादाद में नलो से जुड़े हुये टुल्लू पंप दुसरो के हिस्से के पानी पर किस तरह डाका डाल रहे है। नगर के गरीब तबके लोगो के घर की जल व्यवस्था सार्वजानिक नलो पर आश्रित रहते है,स्वाभाविक रूप से गर्मी के दिनों में पानी अधिक खर्च होता है पानी की जितनी आवश्यकता अमीर एवं मध्यम वर्ग को होती है उतनी ही दरकार गरीबो को भी होती है, परंतु उंचे तबके के लोग अपनी धौंस और पहुंच के बल पर अपने नलो में टूल्लू पम्पो का प्रयोग कर करते है। नलो में क्यो रहता है कम प्रवाह-नगर के ढलान वार्डो में रह रहे वाशिंदो को तो पानी मिल रहा है किन्तु वे लोग जिनके घर उंचाई पर है वहां पानी जरूरत के हिसाब से पहुंच नही रहा है जहां पर नलो से निकलने वाले पानी का प्रवाह ही कम है, दूसरी रही सही कसर जल वितरण व्यवस्था में टुल्लू पंपो का हस्ताक्षेप पूरी कर देता है।

कार्य को पूर्ण करने की अवधि को भी पूरा हुआ चार साल का समय गुजरने के बाद अभी भी चल रहा है निर्माण कार्य, आये दिन की जाने वाली खुदाई दे रही दुर्घटनाओं को आमंत्रण...

कई सालों से सीवरेज योजना के तहत बिछाई जा रही पाईप लाईन सांईखेड़ावासियों की बन रही परेशानी का कारण

सांईखेड़ा। शहर हो या फिर कस्बा वहां पर निवास करने वाले सभी लोग अपने क्षेत्र का विकास चाहते है। मगर कभी कभी देखा जाता है कि विकास कार्य को अंजाम तक पहुंचाने वाले लोगों द्वारा जिस प्रकार से कार्य किया जाता है वह निश्चित ही वहां पर निवास करने वाले लोगों के लिये अभिशाप बनने से नही चूकता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में देखने मिल रही है।

जहां पर लोगों की सुविधाओं को ध्यान मे रखते हुये नल जल योजना के तहत सीवरेज पाईप लाईन डालने के लिये जिस प्रकार से बाहर से आई हुई एक कंपनी द्वारा बीते हुये लगभग 6 साल पहले से जिस कछुवा गति से कार्य किया जा रहा है जिसमें कार्य पूर्ण होने की अवधि समाप्त होने के बाद भी कार्य पूर्णतः की ओर नही पहुंच पाया है.. तो दूसरी ओर आये दिन जहां तहां गड्ढे खोदे जाने के कारण आम जन के लिये खतरा पैदा करने से नही चूक रहे है? इस तरह मनमाने तरीके से किये जा रहे निर्माण कार्य के चलते जरा सी बारिश होते ही नगर के लोगों के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूकता है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि जब कंपनी के कर्ताधर्ताओं के मन में होता है वह नगर के अंदर खुदाई शुरू कर देते है और उसी स्थिति में छोड़कर चले जाने के कारण लोग परेशान होते रहते है। इसी प्रकार इस समय यहां पर मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर चैम्बर बनाने के नाम पर खुदाई शुरू किये जाने के कारण लोगों को परेशान होने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है.? बताया जाता है कि 33.73 करोड़ रूपया की अनुमानित लागत से पूर्ण होने वाली इस योजना के कार्य का शुभारंभ 5 अगस्त 2018 से शुरू होकर 2 दिसम्बर 2020 तक पूर्ण करने का लक्ष्य था। इस तरह दो साले के अंदर कपंनी को इस कार्य को पूरा करना था। मगर मनमर्जी का आलम यहां पर इस तरह बना हुआ है कि कार्य पूर्ण होने की तिथि को साल का समय निकल चुका है, मगर कार्य अभी भी अधूरा दिखाई दे रहा है..? इस प्रकार निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा इस कार्य को जिस प्रकार से नगर के अंदर मुख्य सड़कों की खुदाई की गई है उसके चलते नगर के अंदर की स्थिति इस तरह की बनी हुई है कि जरा सी बारिश होते ही जहां लोगों को अपने घरों तक पैदल पहुंचना तक मुश्किल हो जाता है। क्योंकि नगर के अंदर मुख्य सड़को के बीचों बीच की गई खुदाई के कारण सड़को का नामोनिशान मिट चुका है। इस स्थिति में जरा बारिश होते ही नगर की सड़को पर कीचड़ का साम्राज्य स्थापित होने से नही चूकता है। वही दूसरी ओर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की गति धीमी होने के कारण यह परेशानी नगर के लोग बीते हुये लगभग 6 साल से भोगते चले आ रहे है। वही दूसरी ओर जिस तरह से नगर परिषद द्वारा बीते हुये कुछ वर्ष पहले नगर के अंदर शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च करते हुये जिन सीमेन्ट सड़को का निर्माण किया गया था वह सड़के भी इस योजना की भेंट चढ़ चुकी है जिससे नगर परिषद को भारी क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा है। इस सच्चाई को लेकर नगर के लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा इन सड़को की खुदाई एक साइड से करते हुये पाईप लाईन डाली गई होती तो निश्चित ही आम लोगों को परेशानी का सामना करने से निजात मिलने के साथ साथ सड़को को भी सुरक्षित बचाया जा सकता था। मगर इस कंपनी द्वारा अपने स्वार्थ को ध्यान में रखते हुये नगर के अंदर मुख्य सड़को से लेकर कालोनियों में जिस तरह से बीचों बीच खुदाई कर दी गई है उसके चलते जहां नगर के लोग लगातार परेशान होते हुये देखे जा रहे है। वही निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी सबाल खड़े होने से नही बच पा रहे है? जबकि बताया जाता है कि इस प्रकार से जल सप्लाई सहित अन्य लाईनों को यदि शहर के अंदर से डाला जाता है तो सड़कों के किनारे मजदूरों के माध्यम से खुदाई कराये जाने के नियम है? मगर यहां पर देखने मिल रहा है कि जिस प्रकार से शहर के अंदर सड़को की मशीनों के माध्यम से खुदाई की गई है उसके चलते नगर की सड़के पूर्णरूप से क्षतिग्रस्त होने से नही बच पाई है। वही दूसरी ओर सड़क किनारे निवास करने वाले लोगों के घरों को भी मशीन की धमश के चलते क्षति पहुंचते हुये देखी जा चुकी है? इतना ही नही यदि सड़क के बीचों बीच डाली गई इस पाईप लाईन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह सांईखेड़ावासियों को भविष्य में भी परेशानी का कारण बनने से नही चूक पायेगी? क्योंकि जब इस योजना का कार्य पूर्ण हो चुका होगा और उस दौरान यदि पाईप लाईन में कभी कोई गड़बड़ी पैदा हो जाती है तो उसे ठीक करने के लिये फिर सड़क के बीचों बीच खुदाई करते हुये ही उस गड़बड़ी को ठीक किया जा सकेगा। इस स्थिति में चलते नगर की सड़को की खुदाई की नौबत सदा ही बनते हुये देखी जावेगी इस तरह सदा ही शहर में खुदाई को दौर चलने से नही चूक पायेगा ..? और देखने मिलना भी शुरू हो चुका है जो आये दिन जां तहां गड्ढे खोदते हुये जिस तरह खुला छोड़ दिया जाता है वह दुघर्टनाओं को आमंत्रण देने से ही चूक रहे है? यदि इस पाईप लाईन को सड़क किनारे से डाली गई होती तो निश्चित ही नगरवासियों को वर्तमान समय से लेकर भविष्य में भी परेशानियों से निजात मिल सकती थी। यदि इस कार्य को मशीन की जगह मजदूरों से कराया गया होता तो निश्चित तौर से नगर के लोगों को परेशानी से नही जूझना पड़ता। क्योंकि मशीन के माध्यम से कराये गये कार्य के चलते सड़को की खुदाई सड़को के बीचों बीच से होने के कारण नगर की संपूर्ण सड़के जहां खराब हो चुकी है जो जरा सी बारिश होते ही जहां दलदल का रूप धारण कर लेती है और यह हाल नगर के अंदर सदा ही बना रहेगा क्योंकि पाईप लाईन में भविष्य में खराबी आने या फिर नया कनेक्शन देने के दौरान सड़को की खुदाई होना आम बात बन जावेगी? इस सच्चाई को लगातार उजागर किये जाने के बाद भी नगर के जिम्मेदारों द्वारा समय रहते हुये किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण नगर की जनता को इस प्रकार की परेशानी सदा ही झेलते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? बीते हुये कुछ दिनों पहले हुई बैमौसम बारिश के कारण नगर के अनेक वार्डो का हाल इस तरह देखने मिल रहा है कि लोगों के वाहन अपने घरों तक पहुंचने की बात तो दूर पैदल पहुंचना तक मुश्किल होने से नही चूक पा रहा है और जहां तहां खोदकर छोडे गये गड्ढे लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनते हुये जान पड़ रहे है। वही दूसरी ओर कंपनी की मनमानी का हाल इस तरह से देखा जा रहा है कि वह अचानक अपने काम को बंद कर दिया जाता है और जब मर्जी होती है खुदाई चालू कर दी जाती है। अनेक जगहों पर हाल इस तरह देखा जा रहा है कि मुहल्लो व कालोनियों के मुख्य मार्गो पर की जाने वाली खुदाई के चलते लोग न तो अपने घरों से निकल पाते है और न ही उन लोगों के घरों में कोई पहुंच पाता है..। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि यदि इन लोगों के घरों में कोई व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार हो जाता है तो उसका भगवान ही मालिक माना जा सकता है...

बसेड़िया में देखने मिला समाज सेवा का अनोखा जज्बा, क्षेत्र के बाद अब अन्य दूसरे राज्यों में वृद्वजनों के बीच नजर आये बसेड़िया

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि समाजसेवा करते हुये अनेक लोगों को देखा जाता है। मगर उनकी समाज सेवा लोगों को लाभ पहुंचाने के साथ साथ अखबारों की सुर्खिया बनने की अधिक होती है। मगर कुछ लोग इस तरह के भी होते है जिनके दिलों में पीड़ितों को मदद पहुंचाने का जो जज्बा होता है वह दिखाबा कम और लोगों की सेवा अधिक करते है। कुछ इसी तरह की सच्चाई क्षेत्र के युवा समाजसेवी मुकेश बसेडिया में देखने मिल रही है जो पीड़ितजनों के लिये बगैर रूके समाजसेवा में जुटे हुये देखे जा रहे है। अक्सर देखा जाता है कि बसेड़िया बगैर किसी दिखाबा के खुद ही अकेले मोटर साईकिल पर सबार होकर जंगल क्षेत्र के उन दुर्गम गांवों में पहुंच कर सेवा करने में जुट जाते है जहां पर लोगों का पहुंचना मुश्किल होता है और वह के लोग शहर का मुंह देखने के लिये तरसते देखे जाते है। इतना ही नही यदि बसेड़िया की समाज सेवा की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कोई भी कार्य क्यों न हो वह उसमें

अपनी ओर से सहयोग प्रदान करने के लिये सबसे आगे खुडे दिखाई पड़ते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई एक बार फिर देखने मिली है। जो लगातार माह तक विभिन्न राज्यो में भ्रमण करते हुए बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें पठन लेखन, शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया। वही दूसरी ओर अभिभावकों,तीर्थ स्थल के प्रभारियों एवं अधिकारियों को बेटी शिक्षा के लिए प्रोत्साहन हेतु आवेदन कर बेटियों के तीर्थ मंदिरों पर भिक्षा वृत्ति रोक लगाये जाने के साथ उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित करने की बात कही गई। बताया जाता है कि बसेड़िया द्वारा अपने अन्य राज्यों के भ्रमण के दौरान वृद्धजनों, दिव्यांगों, निराश्रित व असहाय जनो को गर्म कपड़े, मच्छरदानी वितरित करते हुये बेटियों के पद पखारकर उन्हें वस्त्र प्रदान करते हुए बेटी शिक्षा व सम्मान को प्रोत्साहित कर आशीर्वाद लिया। बताया जाता है कि समाज सेवी मुकेश बसेड़िया में समाज सेवा को जुनून इस तरह से बनी हुई है कि वह लगातार एक माह तक असम राज्य के गुवाहाटी, माँ कामाख्या धाम, उमानन्द भैरव, मायोंग ,पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी ,बिहार के कटिहार, मैहर, उत्तरप्रदेश के काशी, मिर्जापुर, प्रयाग राज, मध्यप्रदेश के सलकनपुर धाम ,उज्जैन, मालवा ,नलखेड़ा, पुरैना रंधीर, काशी बनारस सहित अन्य स्थानों के दिव्य शक्ति पीठो व उप पीठो ,ज्योतिर्लिंग में देवी स्वरूप कन्याओं तथा वृद्धजनों व दिव्यांगजनो को सम्मानित किया। इसके अलावा माँ नर्मदाजी के बरमानघाट के वृद्ध आश्रम व अनेक नर्मदा तटो पर ठंड से बचने के लिये गर्म कपड़ो का वितरण किया गया। बताया जाता है कि इस तरह बसेड़िया द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार बेटी शिक्षा व वृद्धजनो को सम्मानित करते हुए एक माह सतत सेवा का संकल्प लेकर स्वयं के खर्चे पर अनवरत बिना रुके समाज सेवा में जुटे हुये देखे गये। इस संबंध में बसेड़िया का कहना है कि महिषासुरमर्दिनी अर्थात सशक्त बेटियों की आवयश्कता है जो बेटियों की शिक्षा व प्रोत्साहन से संभव है।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत तो दूसरा घायल, पुलिस ने मामला कायम करते हुये शुरू की जांच

सालीचौका। क्षेत्र की सड़को की दुर्दशा के साथ साथ बडे वाहन चालको द्वारा जिस तरह बेलगाम गति से दौड़ाया जाता है उसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाओं में लोगों को बेमौत मरते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। यदि सालीचौका क्षेत्र में बीते हुये वर्ष की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो क्षेत्र की सड़क खून से सनी पड़ी हुई है। यह बात अलग है कि वर्ष समाप्ति के पहले प्रकृति ने बारिश करते हुये उन सड़को को धो जरूर दिया गया है। मगर नया वर्ष शुरू होते ही इस सिलसिला फिर दिखाई देने लगा है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस पौड़ार तिरहा के पास फिर देखने मिली जहां पर मोटर साईकिल व कार की टक्कर के चलते जहां बाइक सबार एक युवक की मौत हो गई तो दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सालीचौका निवासी विवेक पटैल तथा उसका साथी पूरन लोधी अपने किसी काम से मोटर साईकिल लेकर शुगर मिल की ओर जा रहे थें। उसी दौरान एक कार के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये इन युवकों की मोटर साईकिल को टक्कर मार देने के चलते दोनों नीचे गिर गये। मौजूद लोगों द्वारा दोनों को उपचार हेतु सालीचौका स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया जहां पर डाक्टरों द्वारा विवेक पिता गोविंद सिंह वर्मा को मृत घोषित कर दिया गया। वही पूरन लोधी की स्थिति गंभीर होने के चलते जिला चिकित्सालय हेतु रेफर किया गया है जहां पर उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। वही घटना में मृत हुये विवेका का पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये शव परिक्षण उपरांत परिजनों को सौप दिया गया है। वही घटना को अंजाम देने वाली कार की खोज की जा रही है। इस तरह नये वर्ष के प्रथम सप्ताह से ही क्षेत्र की सड़को पर फिर खून की नदिया बहते हुये दिखाई देने की शुरूआत हो चुकी है।

प्रत्येक शुगर मिल के पास शासकीय तुलाई काटा लगाये जाने की उठ रही मांग, निजी कांटों से तुलाई में लूट रहे किसान..

गाडरवारा। लगातार परेशानियों से जूझ रहे किसानों की सच्चाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां उन्हें हर संभव मदद करने का भरोसा तो दिलाया जाता है। मगर वह भरोसा मात्र मंचों तक ही सीमित रहने से नही चूक पाता है। जिसका परिणाम है कि क्षेत्र के गन्ना किसान हर वर्ष शुगर मिलों में शोषित होते हुये अपना गन्ना बेचने के लिये मजबूर होने से नही चूक पाता है। क्योंकि शुगर मिलों द्वारा निर्धारित किये जाने वाले तोल काटों पर किसान के गन्ने की तुलाई किस तरह से होती है इस बात की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी हो.., कुछ इसी तरह जनचर्चाये इस समय भी सुनाई देने से नही चूक रही है जहां पर शुगर मिलों में किसानों की गन्ना तुलाई में गफलत बाजी का खेल चल रहा है..? मगर इसे किसानों की मजबूरी कही जावे जिसके चलते वह चाहकर भी अपनी आवाज बुलंद नही कर पाते है और जो किसान अपनी आवाज बुलंद करने का प्रयास करता है उसकी आवाज को दवाने के लिये शुगर मिलों के मालिक अनेक प्रकार के प्रयास करने से नही चूकते है। क्योंकि उन्हें जहां राजनैतिक स्तर के नेताओं का आर्शीवाद प्राप्त होने के चलते प्रशासन तंत्र का संरक्षण मिलने से नही चूक पाता है..? इसी बात को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा शुगर मिलों के संचालन की शुरूआत होने के पहले ही शासन प्रशासन के साथ साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की जा रही है कि प्रत्येक शुगर मिलों के पास शासकीय तोल कांटे स्थापित किये जावे जिससे किसानों का शोषण होने से बच सके। क्योंकि जब गन्ने का सीजन शुरू हो जाता है उस दौरान शुगर मिलों के संचालक पूर्ण मनमानी पर उतारू होकर किसानों के गन्ने की तुलाई में गफलतबाजी करने से नही चूकते है उस दौरान यदि किसी किसान द्वारा इस बात को लेकर आवाज उठाई जाती है तो शुगर मिल मालिकों द्वारा उसकी आवाज दबाने के लिये उसका गन्ना लेने से इंकार कर दिया जाता है या फिर इतनी देरी की जाती है जिसके चलते किसानों को मजबूर होकर अपने गन्ना फसल को ठिकाने लगाने की सोच के चलते चुप्प रहने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा क्षेत्र में संचालित होने वाली सभी शुगर मिलों के पास शासकीय तौल कांटे स्थापित करने की मांग उठाई जा रही है।

प्रशासन की अनदेखी के चलते नगर के स्टेशन मार्ग पर लगातार फैल रहा है शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल, जिम्मेदारों की चुप्पी हौसले कर रही बुलंद

गाडरवारा। यदि किसी बीमारी को फैलने के पहले ही उसका इलाज कर दिया जावे तो उस बीमारी को जानलेवा होने से रोका जा सकता है, मगर बीमारी की अनदेखी किये जाने का परिणाम होता है कि वह बाद में इस प्रकार का रूप धारण कर लेती है कि फिर उसे भगापाना मुश्किल हो जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर की शासकीय भूमि पर लगातार हो रही अतिक्रमण रूपी बीमारी को देखते हुये जान पड़ रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि समय समय पर प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जाती है जिसमें प्रशासन का काफी हद तक पैसा बर्बाद होता है और प्रशासनिक अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने पर राजनैतिक नेताओं के कोप का शिकार भी होना पड़ता है..? मगर वही अधिकारी शासकीय भूमि पर होने वाले अतिक्रमण के शुरूआती तौर से जिस तरह से चुप्पी साध लेते है उसके चलते अतिक्रमणकारियों को सह मिलने से उनके हौसले बुलंद हो जाते है और शासकीय भूमि अतिक्रमण

की भेंट चढ़ जाती है? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के रेल्वे स्टेशन की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग यानि की बीटीआई स्कूल के समीप पावर हाऊस के पास खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर लगातार हो रहे अतिक्रमण को देखते हुये जान पड़ रहा है। कुछ इसी प्रकार का हाल चीचली तिरहा के पास शासकीय विश्राम घर के सामने का देखा जा रहा है? यहां पर लगातार हो रहे अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह बात झूठ नही होगी कि जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे खुलेआम शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल बिछ रहा है और वह अपनी आंखे बंद किये हुये है। क्योंकि जिस जगह इस समय शासकीय भूमि अतिक्रमण के भेंट चढ़ाते हुये देखी जा रही है वह नगर के तहसील कार्यालय से चंद कदम दूरी पर है तो उसके पास से राजस्व विभाग के अनेक जिम्मेदार अधिकारियों के निवास स्थल होने के साथ साथ ठीक उसके पीछे विद्युत कार्यालय स्थित होने के साथ साथ इसी मार्ग से अनेक जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर नेताओं का आना जाना लगा रहता है, मगर इसके बाद भी खुलेआम हो रहे अतिक्रमण की सच्चाई को अधिकारियों से लेकर नगर पालिका प्रशासन द्वारा भी जिस तरह से नजर अंदाज करते हुये देखा जा रहा है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि शायद शासकीय भूमि पर कब्जा जमाने के लिये अधिकारियों द्वारा इन अतिक्रमणकारियों के लिये अपनी मौन स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो? बताया जाता है कि बीते हुये कुछ दिनों से नगर के बीटीआई स्कूल से लेकर पावर हाऊस के सामने मुख्य मार्ग के किनारे खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा लगातार अपना कब्जा जमाते हुये टपरों की लम्बी लाईन लगा दी गई है और यह क्रम लगातार जारी होने के कारण यहां पर नये नये टपरे स्थापित होते चले जा रहे है।

मंडी परिसर बना गिट्टी व्यापारियों की दुकानदारी का अड्डा, नियम विरूद्व खड़े किये जा रहे ट्रक

गाडरवारा। जहां नगर की जवाहर कृषि मंडी का निर्माण किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये किया गया है जिसमें अपना अनाज बेचने के लिए आने वाले किसानों को अपने वाहन खड़े करने के साथ साथ अन्य सुविधाएं मिल सके, मगर इस समय देखा जा रहा है कि मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत के चलते जहां गिट्टी का व्यापार करने वालों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करते हुए यहां से गिट्टी की दुकानदारी की जा रही है। वही दूसरी अनेक वाहन मालिकों द्वारा मंडी परिसर में अपने वाहन खड़े करते हुए मंडी परिसर को पार्किग स्थल बना डाला है? इस प्रकार से मंडी परिसर को गिट्टी का कारोबार करने वालों द्वारा

जिस प्रकार से उपयोग किया जा रहा है वही समझ से परे जान पड़ रहा है? इस बात का आज तक पता नही चला है कि आखिर में मंडी परिसर में गिट्टी के व्यापारियों द्वारा किसकी अनुमति से यहां पर गिट्टी रखते हुए अपना व्यापार किया जा रहा है। मगर इस प्रकार से मंडी परिसर का उपयोग अन्य दूसरे कार्यो में करना निश्चित तौर से जहां मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत की ओर संकेत देते हुए जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से अन्य लोगों द्वारा मंडी परिसर का दुरूपयोग किये जाने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? जबकि गौर किया जावे तो मंडी में किसानों की सुविधा के लिए कई टीन शैड एवं चौड़ी सड़को एवं प्लेटफार्म का निर्माण किया गया है, मगर नगर की मंडी में अक्सर देखने को मिल रहा है कि रात्रिकालीन समय में सैकड़ो की संख्या में निजी ट्रक एवं अन्य वाहन वहां पर पार्किंग होते है, जिसे देखकर ऐसा महसूस होता है जैसे जवाहर कृषि उपज मंडी परिसर में वाहन रखने के लिए गैरिज बनी हो? इसी के साथ मंडी के पीछे वाले क्षेत्र में गिट्टी सप्लाई की दुकानदारी चल रही है जो बिल्डिंग मटेरियल के सप्लायर मंडी के अंदर गिट्टी का स्टाक रखते है पूरी मंडी में अनेको स्थानों पर गिट्टी का स्टाक देखा जा सकता है, बाबजूद इसके मंडी प्रशासन किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं करता न ही वाहन मालिकों को वाहन खड़े करने की मना करता है जिससे मंडी प्रशासन की मिलीभगत का अंदेशा जान पड़ने लगा है? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि जब किसानों की भीड़ मंडी परिसर में होती है इसी दौरान यहां पर गिट्टी प्यापारियों के द्वारा ट्रेक्टरों से गिट्टी सप्लायी की जाती है जिसके कारण किसानों को परेशान होना पड़ता है, मगर इसके बाद भी मंडी प्रशासन द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण लगातार मंडी की शाख को बट्टा लगते हुए देखा जा रहा है।

तहसीली व पंचायती कर्मचारियों की अनुपस्थिति कर रही ग्रामीणों को परेशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। ग्राम पंचायत सचिव और पटवारी दोनो ऐसे कर्मचारी है जिनकी ग्राम मुख्यालयों पर उपस्थिति अपेक्षित रहती है। परंतु दुर्भाग्य है कि दोनों की उपस्थिति अपने मुख्यालयों मे नही होती है और आम ग्रामीण उनसे मिलने के लिए उनका घर ढूंढते फिरते है, पटवारियों और सचिवों के पास एक से अधिक गांव और ग्राम पंचायतें सौंपी गई है, पटवारियों के हल्का मे 3 से 5 गांव तक रहते है। वही ग्राम पंचायत सचिवो की कमी के चलतें भी कुछेक सचिवों को एक से अधिक ग्राम पंचायतों का काम सौंपा गया है, पटवारी व सचिव ज्यादातर शहर मे ही निवास करते जहां अपने बच्चों का भविष्य संभालने में लगे हुए है? वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब किसी ग्रामीण का इन से कोई काम पड़ता है तो उन्हें ग्रामीण जन उनको खोजते हुए परेशान हो रहे है? इन कर्मचारियों को निश्चित दिवसों पर मुख्यालयों पर जाना होता है, पटवारी अपने हल्का मे किस दिन को मिलेंगे इसकी जानकारी ग्राम पंचायत भवन मे सार्वजानिक रूप से लिखी होती है और आम ग्रामवासी भी इससे अनभिज्ञ रहता है। बावजूद इसके अक्सर पटवारी हल्का मे उपस्थित नही होते वे किसी न किसी बहाने से अपने घरों पर ही बैठकर काम करते है, जिसके कारण ग्रामवासी उन्हे ढूंढते हुये परेशान होते हुये देखे जाते है वही यही स्थिति कुछ हद तक ग्राम सचिवो की है? जो ग्राम सचिव की अनुपस्थिति के कारण क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायत का काम भी आगे नही बढ़ पाते। क्योंकि सही मायाने में देखा जावे तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंच अशिक्षित होने के साथ साथ आरक्षण के चलते महिलाए है। इसके कारण वे ग्राम पंचायत सचिव पर ही निर्भर रहते है, परंतु यदि सचिव की उपस्थिति नही है तो वह काम भी नही कर पाता है, वही दूसरी ओर देखा जावे तो खेती बाड़ी के कार्यो सहित अन्य जरूरी कामों के लिए लोगों को पटवारियों की आवश्यकता आम ग्रामवासियों को हर पल रहती है। हर किस्म के कार्य के लिये पटवारी महत्वपूर्ण होता है यही कारण है कि पटवारी का अभाव उन्हे परेशान करता है।

खबर संक्षेप

विभिन्न निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

डिंडौरी । सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने नगर परिषद डिंडौरी में आयोजित जनकल्याण शिविर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री अधोसंरचना फेज-4 के तहत कंपनी चैक से मण्डला स्टैण्ड तक डिवाईडर रोड का चैड़ीकरण, विद्युतीकरण एवं स्वागत गेट निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। सांसद श्री कुलस्ते ने आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के बारे में बताते हुए शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए शासन प्रतिबद्ध है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, भाजपा जिला अध्यक्ष अवधराज बिलैया, पंकज तेकाम, जयसिंह मरावी, आशीष वैश्य सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी व नागरिक मौजूद रहे।

जिले में 80925 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई

उमरिया। डिप्टी कलेक्टर एवं जिला आपूर्ति अधिकारी मीनांक्षी इंगले ने बताया कि जिले में 13817 किसानों से 80925 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है । जिले में पंजीकृत कुल किसानों की संख्या 24073 है । जिले में धान विक्रय हेतु 21085 किसानों ने स्लाट की बुकिंग कराई है। जिले में कुल उठाव, परिवहन 43503. प्रतिशत किया जा चुका है । जिले के 2838 किसानों को 38.02 करोड रूपये का भुगतान किया जा चुका है ।

6 जनवरी को आयोजित किया जाएगा शिविर

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत जिले के नगरीय निकायो में 6 जनवरी 2025 को शिविर आयोजित किए जाएंगे । उन्होनें बताया कि नगर पालिका उमरिया अंतर्गत प्रा.शा. भवन जमुनिहा वार्ड क्रमांक 13, नगर परिषद नौरोजाबाद के वार्ड क्रमांक 12 सांई मंदिर के पास, नगर पालिका परिषद पाली में वार्ड क्रमांक 10 में आंगनबाड़ी बरबसपुर में तथा नगर परिषद चंदिया में वार्ड क्रमांक 10 सामुदायिक भवन के पास जटवार मोहल्ला में शिविर आयोजित किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों पर किया पांच हजार रूपये का ईनाम घोषित

उमरिया। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने थाना नौरोजाबाद के अपराध क्रमांक 67/21 धारा 420, 406, 120बी, , 34 भादावि व0म0प्र0 निक्षेपकों का संरक्षण अधिनियम सन 2000 की धारा 6 (1) के आरोपी फ्यूचर मेकर लाईफ केयर प्रायवेट लिमिटेड कंपनी के सीएमडी राधेश्याम सुथार निवासी ग्राम शीशवाल, हिसार हरियाणा, एमडी वंशीलाल पिता सोहन लाल निवासी चिन्हण डिब्बू फत्तेहाबाद हरियाणा, प्रमोटर धीरज उर्फ पवनीष व्दिवेदी निवासी रीवा कोतवाली जिला रीवा सहित अन्य पर पांच हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है । ईनाम वितरण के संबंध में पुलिस अधीक्षक उमरिया का अंतिम निर्णय होगा ।

कौडिया 63, देवरीमजरा, पठारीखुर्द, असोढ़ में आयोजित होगा शिविर

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत जिले के करकेली, मानपुर तथा पाली में 4 जनवरी 2025 को शिविरो का आयोजन किया गया है जिसमें कौडिया 63, देवरीमजरा, पठारीखुर्द, असोढ़, बेल्दीं, अमिलिहा में शिविर आयोजित किया गया है ।

बस ने ऑटो को मारी टक्कर, ऑटो सवार एक व्यक्ति घायल

कोतमा। थाना अंतर्गत कोतमा केशवाही मार्ग में मुडधोबा मोड में बस ने सामने से ऑटो को टक्कर मार दी जिस ऑटो दूर जा गिरी ऑटो में सवार एक व्यक्ति हुआ घायल। घटना के बारे में मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार को दोपहर करीब 12 बजे सेमरिया चौराहा की ओर से आटो सवारी लेकर कोतमा की ओर आ रही थी तभी लोडी गांव की तरफ से सचिन ट्रेवल्स की बस भी आ रही थी और मुडधोवा मोर के पास बस ने सामने से ऑटो को टक्कर मार दी जिस

महिला को नौकरी का झांसा देकर फोटो कॉपी दुकान संचालक ने लूटी अस्मत

कोतवाली पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

डिंडौरी

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की 35 वर्षीय महिला ने सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सरकारी नौकरी लगवाने का झॉसा देकर दर्जनों लोगों से ठगी करने का भी है आरोप

पुलिस को दिए कथन में महिला ने बताया कि मैं समूह में काम करती थी जिसमें जो भी फोटो कापी का काम होता हैं अब्दुल एजाज निवासी ग्राम धनुआसागर की कलेक्ट्रेट तिराहा के पास स्थित दुकान से कराये जाते हैं। फोटो कापी व लिखा पढी के सारे काम मैं करती थी, इसलिये मेरा बार बार अब्दुल एजाज की दुकान में जाना होता था, जिससे मेरी पहचान अब्दुल एजाज से हुई थी। दिनांक 04.10.23 को अब्दुल एजाज मुझसे कहने लगा कि मैं तुम्हारी सरकारी नौकरी लगवा दूंगा। तुम मेरे साथ मेरे घर चलो कुछ फार्म मेरे घर में रखे हैं भर देना, जिसमें तुम्हारे हस्ताक्षर एवं फोटो की जरूरत पड़ेगी। तब मैं अब्दुल एजाज के साथ उसके घर गयी। उस समय उसके घर में कोई नहीं था। अब्दुल एजाज ने मेरे साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाया और मुझे ब्लैकमेल करने लगा कि मैने तुम्हारी वीडियो बना लिया हूँ जिसे मैं वायरल कर दूंगा और मुझे बार बार बुलाकर कभी अपनी दुकान में, कभी अपने घर में,कभी बाहर ले जाकर मेरे साथ ब्लैकमेल कर शारीरिक संबंध बनाता था। मैं अपनी बदनामी के डर से कि वह मेरा वीडियों मेरे परिवार वालों को न भेज दे, मैं बार बार अब्दुल एजाज कुरैशी के बुलाने पर जाती थी। वह मेरे पति को मोबाईल में मैसेज भेजने लगा इस कारण मेरा पति मुझे तलाक दे दिया है। अब्दुल एजाज कुरैशी ने लगातार दिनांक 05.12.24 तक मेरे साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाया है और मुझे धमकी दिया कि थाना या कोर्ट कचहरी गयी तो तुझे जान से मार दूंगा। आरोपी अब्दुल एजाज कुरैशी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 64, 64(2)ड, 351(3), 3(1)(ॅ)(पप), 3(2) (टा) एससी एसटी एक्ट का अपराध कायम कर लिया गया है। वही प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त आरोपी के विरूध्द अनेको लोगो ने सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर लाखो रू. ठगने की शिकायत पूर्व में कोतवाली में किया था।

नए वर्ष में नर्मदा तट, किकर कुंड जल प्रपात एवं श्रीरामधुन कीर्तन में रही भीड़

मेंहदवानी। क्षेत्र में कैलेण्डर नव वर्ष के आगमन पर श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा नदी डुबकी लगाकर पूजन अर्चन कर नए वर्ष में सुख समृद्धि की कामना की। युवा वर्ग भी नर्मदा नदी में डुबकी लगाकर पूजन अर्चन किया और नर्मदा तट पर ही भोजन पकाकर खाया और खूब इन्जवॉय किया तथा नए वर्ष का स्वागत किया। किकरकुंड जलप्रपात में भी युवाओं की भारी भीड़ रही जहां सभी वर्ग के लोग रहे। विकास खंड मुख्यालय मेंहदवानी में नए वर्ष के आगमन पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हनुमान मंदिर सहना टोला में में श्रीरामधुन कीर्तन का आयोजन किया गया जो 31दिसम्बर को प्रारंभ किया गया और 1 जनवरी को विशाल भंडारे के साथ समापन किया गया। संगीतमय श्रीरामधुन कीर्तन में पूरा गांव शामिल रहा और उत्साह के साथ नाचते झूमते गाते परिक्रमा करते रहे।

बांध निर्माण से प्रभावित ग्रामीणों ने प्रशासन से आर्थिक मदद की लगाई गुहार

डिंडौरी

विकास खंड डिण्डौरी अंतर्गत मुड़की जलाषय निर्माण होने से प्रभावित ग्रामींणों ने विगत दिन कलेक्टर से लिखित आवेदन के माध्यम से आर्थिक सहायता की मांग की है। मुड़की जलाषय निर्माण के पूर्व सर्वे के दौरान प्रभावित कास्तकारों की भूमि और ग्रामींणों के रहवासी मकानों को चिन्हित कर मुआवजा राषि प्रदान की गई है। जिन रहवासी मकानों को चिन्हित किया गया था उनमें निवासरत परिवार विस्थापित हो चुके है लेकिन अझवार ग्राम पंचायत के जाटा माल में रहने वाले लगभग 8 परिवार आज भी पुरानी बसाहट में निवासरत है। जिन्हे तमाम परेषानियों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि जिस स्थल पर निवासरत है वह बांध में संग्रहित पानी से तीन तरफ से घिरा हुआ है निकलने के लिए महज एक रास्ता है। यदि इन परिवारों को गांव के ही दूसरे मोहल्ले में जाना हो तो मोहल्ले की दूरी 500 मीटर है लेकिन जल भराव के कारण लगभग 15 किलो मीटर बांध का चक्कर लगाकर पहुंचना पड़ता है। यहां निवासरत रामचरण, नारायण सिह , अर्जुन सिंह, मोतीसिह धुर्वे, सहित 8 परिवार बांध से घिरे टापूनुमा स्थान पर निवासरत है। पूर्व में ये सभी परिवार के मकान मार्ग के किनारे मौजूद थे और इनके द्वारा कृषि कार्य के साथ साथ किराना दुकान सहित छोटे छोटे व्यवसाय किये जा रहे थे जिससे परिवार का गुजारा असानी से हो पाता था। लेकिन बांध निर्माण के बाद रोजगार छिन गया और अब इनके सामने परिवार के भरण पोषण की समस्या पैदा हो गई। हालात ऐसे है कि तीन तरफ पानी ही पानी है और जलीय जीव सहित जहरीले कीड़ों का खतरा बना रहता है। इस बावद पूर्व में भी यहां के बासिंदों द्वारा प्रषासन को अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया था लेकिन इनकी सुध नही ली गई। जिसके चलते भूखो मरने की नौबत बन गई है। कलेक्टर को दिये लिखित आवेदन में ग्रामीणों सहित सरपंच ने हस्ताक्षर कर इनकी समस्या को सही करार दिया है।

मलबे में तब्दील हुआ 10 लाख रुपए की लागत से बनी सीसी सड़क, ग्रामीण परेशान

डिंडौरी । जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत कमरा सोढ़ा के पोषक ग्राम लालपुर में बनी सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण जोकि आंगनबाड़ी से प्रेमलाल के घर तक बस्ती विकास मद से 10 लाख रुपए की लागत से किया गया। जोकि दिसंबर 2022 में निर्माण किया गया। जोकि वर्तमान में काफी हद तक उखड़ चुकी हैं। जिस सड़क की चैड़ाई भी बहुत ही कम बनाई हैं। जोकि अधिकतम चार इंच ही होगी। ग्रामीणों का आरोप हैं कि सड़क की लंबाई, चैड़ाई और मोटाई भी बहुत कम बनाई गई हैं। फिर भी सड़क निर्माण की पूरी राशि का आहरण किया जा चुका हैं। जिस मार्ग में गांव के लोग ही चलते हैं। अगर कोई बड़ा वाहन निकल जाए तो पूरी सड़क क्षतिग्रस्त हो जाएगी। पंचायत का वार्ड पंच आशाराम का कहना हैं कि सड़क दो, तीन इंच मोटी बनाई गई हैं। कुछ कहने पर सरपंच के परिवार के लोग धमकी देते हैं। उनके द्वारा पूर्व में ही जनपद पंचायत में मौखिक शिकायत की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सीईओ साहब को लिखित शिकायत करेंगे, फिर भी कार्यवाही नहीं होगी तो धरना प्रदर्शन भी करेंगे।

इनका कहना हैं,,

मामला दो वर्ष पुराना हैं, आज उपयंत्री भी नहीं हैं। जानकारी लेकर ही कुछ कह सकता हूं।

लोकेश नारनौरे
सीईओ अमरपुर

कलेक्टर हर्ष सिंह की अध्यक्षता में विकसित मध्यप्रदेश 2047 के संबंध में बैठक संपन्न

डिंडौरी । कलेक्टर हर्ष सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकसित मध्यप्रदेश 2047 के संबंध में जिले के विजन डाक्युमेंट के लिए बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर हर्ष सिंह ने कहा कि विकसित मध्यप्रदेश के लिए जिले के विजन डाक्युमेंट को तैयार किया जा रहा है। जिसका उद्येश्य 2047 में जिले के परिदृश्य और विकास के लिए कार्य योजना बनाना है। उन्होंने उक्त संबंध में सभी संबंधित विभागों द्वारा प्रस्तावित विचारों पर चर्चा की। विजन डाक्युमेंट 2047 जिले के भविष्य को दृष्टिगत रख बनाया जा रहा है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा, रोजगार, अधोसंरचना, कृषि, उद्योग, सुशासन आदि विषयों को समाहित किया जाएगा। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने सभी संबंधित विभागों से 2047 के लिए डिंडौरी जिले के विकास मॉडल के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। जिसमें विभागों द्वारा प्रारंभिक रूप से 2047 के लिए विजन की रूपरेखा बताई गई। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि विजन डाक्युमेंट 2047 के लिए सभी विभाग विस्तार से कार्ययोजना तैयार करें। इसके संबंध में जिले के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिकों से भी चर्चा की जाएगी, जिससे 2047 के लिए विकसित मध्यप्रदेश की संकल्पना को पूरा किया जा सकेगा।

कांजी हाऊस से मवेशी चोरी के दो अन्य आरोपी गिरफ्तार, चोरी में उपयोग कार बरामद

डिंडौरी

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आईटीआई के पास नगर पंचायत के कांजी हाउस से 13 नग मवेशी चोरी करने वाले अन्य दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मवेशी भी बरामद कर लिए है, जिन्हें वापस कांजी हाउस में रखवा दिया गया है। कांजी हाउस का ताला तोड़ने में इस्तेमाल किए गए औजार और एक कार भी चोरों के पास से जप्त की गई है। गौरतलब है कि पुलिस ने मवेषी चोरी के तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

पुलिस के अनुसार कांजी हाउस से मवेशी चोरी करने वाले आरोपी मोहम्मद अनस उर्फ लुकमान पिता सुलेमान उम्र 22 साल निवासी वार्ड क्रमांक एक इमली कुटी डिंडौरी एवं जित्तू उर्फ जितेंद्र ठाकुर उम्र 22 साल निवासी वार्ड क्रमांक एक इमली कुटी डिंडौरी को गुरूवार को गिरफ्तार किया गया है। इनकी निषानदेही पर खिरसारी गांव के नजदीक से 9 नग और खजरी गांव से 4 नग मवेषियों को बरामद किया है जिन्हे कांजी हाऊस में पहुंचा दिया गया है। उल्लेख है कि कांजी हाउस की देखरेख करने वाले कर्मचारी की रिपोर्ट पर कोतवाली में अपराध दर्ज किया गया था। कांजी हाउस के कर्मचारी राम मिलन चंदेल पिता कोमल चंद चंदेल उम्र 53 साल निवासी वार्ड नंबर 15 बिरसामुंड़ा पुरानी डिंडौरी ने पुलिस को दिए गए आवेदन में बताया था कि मैं नगर परिषद डिंडौरी द्वारा संचालित पुरानी डिंडौरी के कांजी हाउस की देख रेख करता हूं। उक्त कांजी हाउस में शासकीय रूप से जप्तशुदा मवेशियों तथा किसानों द्वारा उनकी फसल को नुकसान करने वाले मवेशियों को रखा जाता है। थाना कोतवाली द्वारा कांजी हाउस में वर्ष 2022 में 1 नग पडा तथा दिनांक 12.01.24 को रसीद बुक क्र. 2ध्15 एवं रसीद बुक क्र. 2ध्01 के जरिये कुल 12 नग मवेशी 1 भैस व 11 पडा तथा दिनांक 08.12.24 को बीज निगम फार्म डिंडौरी के द्वारा रसीद बुक क्र. 1ध्86 के जरिये 2 भैंस, 3 उसर भैंस 1 पडा, 1 पडिया वच्चा 1 पड़ा वच्चा रखवाये गये थे जिसमें से कोतवाली द्वारा रखवाये गये 5 नग पडा खतम हो गये थे। वर्तमान में कुल 16 नग मवेशी शासकीय रूप से जप्तशुदा व 7 नग मवेशी जिसमें 2 नग गाय व 5 नग बैल नाटा काजी हाउस में बंद थे। मैं दिनांक 08.12.24 को रात्रि 7 बजे काजी हाउस में ताला लगाकर अपने घर चला गया था। दिनांक 09.12.24 के सुबह 10 बजे जब मैंने कांजी हाउस ओकर देखा तो कांजी हाउस के गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो केवल 03 नग पडा तथा 7 नग अन्य मवेशी गाय बैल काजी हाउस में थे, बाकी 13 नग मवेशी जिसमे 6 नग भैंस, 5 पड़ा, 1 पडा बच्चा, 1 पडिया बच्चा नहीं थे। मैने आस पास गुम मवेशियों की पता तलाश किया जो नहीं मिले। कांजी हाउस में बद 13 नग मवेशी कीमती करीब 90000 रूपये को कोई अजात व्यक्ति रात में कांजी हाउस का ताला तोडकर चोरी कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर बीएनएस की धारा 331(4), 305ए का अपराध कर विवेचना में लिया गया था।

पारिश्रमिक राशि भुगतान की मांग

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । विकास खंड डिण्डौरी अंतर्गत खंड स्तरीय बालिका (उत्कृष्ट) छात्रावास में कोचिंग पढाने की पारिश्रमिक राषि षिक्षक को नही मिली जिसकी षिकायत विगत दिन कलेक्टर से करते हुए भुगतान कराये जाने की मांग की गई है। आवेदन के माध्यम से षिक्षक महेष प्रसाद चैरसिया ने बतलाया कि सत्र 2019-20 एवं 2022-23 में हाईस्कूल की कक्षाएं 9वीं एवं 10वीं में विज्ञान और हायर सेकेण्डरी की 11वीं एवं 12वीं में जीव विज्ञान का अध्यापन कार्य कराया था । लेकिन पारिश्रमिक राषि अब तक नही मिली है अनेको बार मांग करने के बावजूद भी भुगतान करने में आनाकानी की जा रही है। जिससे आर्थिक परेषानी पेष आ रही है।

सांसद कुलस्ते ने ग्राम पंचायत खाम्हा में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

डिंडौरी । सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने अमलेश्वर बीहड़ धाम नर्मदा कुंड ग्राम पंचायत खाम्हा जनपद पंचायत समनापुर में विभिन्न विकास कार्यों का किया। उन्होंने अमलेश्वर बीहड़ धाम नर्मदा कुण्ड के जीर्णोद्धार कार्य लागत 10 लाख रूपए एवं सामुदायिक स्वच्छता परिसर लागत 3 लाख रूपए का भूमिपूजन किया। सांसद श्री कुलस्ते ने इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने शासन की योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया। सांसद ने खाम्हा से बीहर तक डामलीकरण सड़क, सहित विद्युतीकरण करने का ऐलान किया है, कार्यक्रम में जनपद सदस्य राहुल पांडे, जय सिंह सरैया, लखन बर्मन, मंडल अध्यक्ष शिवराम राजपूत, खाम्हा , कुकर्रामठ, कंचनपुर सरपंच, हेमसिंह राजपूत,बीहर धाम समिति के नंदकुमार ठाकुर, सहित भारी संख्या में जनप्रतिनिधि सहित ग्रामीण मौजूद रहें।

आबकारी विभाग की कार्यवाही में अवैध शराब के 6 मामले दर्ज

डिंडौरी । जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन व विक्रय के रोकथाम हेतु 02 जनवरी 2025 को आबकारी विभाग वृत्त डिंडोरी में अवैध शराब रखने व बिक्री संबंधी प्राप्त शिकायतों के आधार पर दबिश कर कार्यवाही की गई। जिसमें आरोपी सरजू लाल ग्राम सिंगार शक्ति से 5 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, अघनी बाई ग्राम सिंगार शक्ति से 3 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, देवंती बाई ग्राम सिंगार शक्ति से 4 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, बुधवरिया बाई ग्राम पडरिया डोंगरी से 4 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, दीपक कुमार ग्राम बजाग से 6 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, राम बाई ग्राम बजाग से 3 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब जप्त हुई, जिसकी कुल मात्रा 25 लीटर व कुल अनुमानित कीमत 5000 रुपए है। उक्त सभी प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क तहत पंजीबद्ध किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी एम.आर. उइके के मार्गदर्शन में आबकारी उप निरीक्षक सम्हर सिंह धुर्वे, आबकारी आरक्षक राम भरोस ठाकुर, छिद्दी लाल झारिया, मनीष उईके, श्रीमती करिश्मा सलामे द्वारा किया गया।

अवंती बाई महिला व्हालीबॉल टीम ने सी एम राइज अमरपुर टीम को दी 2/0 से मात

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम भाखा माल में चल रही व्हालीबाल प्रतियोगिता में एक महिला व्हालीबाल मैच में सी एम राइज अमरपुर को रानी अवंती बाई महिला व्हालीबॉल टीम ने 2/0 से पराजित दिया। प्रारंभिक पहले सेट में सी एम राइज अमरपुर ने अवंती बाई महिला व्हालीबॉल टीम को शानदार टक्कर देते हुए प्रारंभ में 9ध्5 से लीड बना ली। परंतु दूसरे सेट में अवंती बाई टीम के प्रमुख खिलाड़ियों अवंती, ज्योति एवं अमरवती के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 15ध्13 से दूसरा सेट अपने नाम कर लिया। सी एम राइज की तरफ से हेमलता ने शानदार प्रदर्शन किया परंतु वह अपनी टीम को जीत ना दिला सकी। वहीं पर तीसरे सेट में अवंती, ज्योति के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अवंती बाई महिला व्हालीबॉल टीम ने सी एम राइज अमरपुर को एक तरफा 15/5 से मात दे दी। जिस व्हालीबॉल मैच पर मुख्य अतिथियों, आयोजन समिति एवं ग्राम वासियों ने बच्चियों को उनके शानदार प्रदर्शन पर प्रोत्साहित किया तथा आगे भी अच्छे प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी गई।

बलात्कार कर हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

अनूपपुर। द्वितीय जिला सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल की न्यायालय ने बलात्कार कर हत्या के आरोपी 25 वर्षीय मनीष सिंह गोड निवासी कदमटोला खांडा को थाना कोतवाली अनूपपुर को तीन अलग-अलग धाराओं में आजीवन कारावास एवं 10 हजार रुपएं के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

पैरवी लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने की। लोक अभियोजक ने बताया कि आरोपी मनीष सिंह पुत्र रणजीत सिंह ने पीडिता के इच्छा के विरूद्ध एवं सम्मति के बिना मैथुन कर बलात्संग करनेके बाद गला घोंटकर कर हत्या करते हुए हत्या को आत्महत्या का स्वरूप देने के लिये नाडे के एक छोर को बल्ली से बांधकर फांसी पर लटका कर दिया था साथ ही हत्या का साक्ष्य विलोपन किया। थाना कोतवाली में अपराध की धारा 339/2019 धारा 302, 376, 201 का अपराध दर्ज कर विवेचना उपरांत न्यायालय में चलान प्रस्तुत किया। जहां द्वितीय जिला सत्र न्यायाधीश की न्यायालय में अपराध प्रमाणित होने पर धारा 376 में 20 साल एवं 4000 रू0 जुर्माना, धारा 302 में आजीवन एवं 4000 रू0 जुर्माना तथा धारा 201 में 7 वर्ष कारावास एवं 2000 रू० जुर्माने की सजा सुनाई।

भारी वाहनों का प्रातः 6:30 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक संचालन रहेगा प्रतिबंधित

अनूपपुर। कलेक्टर द्वारा 06 जून 2024 को कार्यालयीन आदेश जारी कर जिला अनूपपुर मुख्यालय एवं कोतमा के मुख्य मार्गो पर ट्राफिक का दबाव अधिक रहने के कारण 06 चक्के या 06 चक्के से अधिक सभी प्रकार के भारी वाहनों का संचालन प्रातः 6.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक प्रतिबंधित किया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में वर्तमान में शीत ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने एक नवीन आदेश जारी किया है जिसके अनुसार जिला मुख्यालय अनूपपुर में 06 चक्के या 06 चक्के से अधिक सभी प्रकार के भारी वाहनों का संचालन प्रातः 6.30 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक आगामी आदेश तक के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

दुर्ग नौतनवा एक्सप्रेस का प्रयाग स्टेशन में अस्थायी ठहराव की सुविधा

अनूपपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा महाकुंभ मेला 2025 के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 18205 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस का 02 मिनट का अस्थायी ठहराव उत्तर मध्य रेलवे के प्रयाग स्टेशन में दिया जा रहा है। 10 जनवरी से 28 फरवरी तक दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18205 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस प्रयाग स्टेशन में 11:18 बजे पहुंचेगी तथा 11:20 बजे रवाना होगी।

खबर संक्षेप

प्रांतीय प्राचार्य की बैठक का आयोजन

गोटेगांव। स्थानीय नगर के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोटेगांव में सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत के प्राचार्य की बैठक का आयोजन दिनांक 3 जनवरी से 5 जनवरी तक आयोजित होने जा रहा है जिसमें लगभग 190 प्राचार्य महाकौशल प्रांत की बैठक में उपस्थित रहेंगे इस बैठक में अखिल भारतीय पदाधिकारी श्री राम जी अरावकर प्रांत संगठन मंत्री अमित दवे विभागों के विभाग सामान्य ए जिसमें सरस्वती शिशु मंदिर योजना के वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा अन्य विषयों पर विभिन्न प्रतिदिन लगभग 6 से 7 घंटे उक्त बैठक आयोजित दिनांक 4 जनवरी को इस आयोजन का भविष्य शुभारंभ होगा कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष हाकम सिंह व्यवस्थापक राजकुमार जैन देवदत्त पचौरी शिवाजी राव पाटिल आदर्श शिक्षा समिति की पदाधिकारी संस्था प्राचार्य कमलेश तिवारी प्रधानाचार्य नर्मदा गुप्ता ने उक्त जानकारी प्रदान की

नहीं थम रहा मोटरसाइकिल चोरियों का सिलसिला

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मोटरसाइकिल चोरियों का सिलसिला कम नहीं हो पा रहा है। तेंदूखेड़ा में जहां साप्ताहिक बाजार के दिन मोटरसाइकिलें और मोबाइल फोन चोरी हो जाने की घटनाएं हमेशा घटित होती रहतीं हैं। इसी बीच उठाई गीर भी सक्रिय बनें रहते हैं।पलक झपकते ही थैले गुम हो जाना आम बात हो गई है। चूंकि इन घटनाओं पर विराम लगाने की महती आवश्यकता है। वहीं मोटरसाइकिल चोरी होना और उनका कोई सुराग भी नहीं लग पाना एक सोचनीय विषय बना हुआ। गुरुवार की रात्रि को तेंदूखेड़ा के एक और प्रतिष्ठित गोंविद पटेल टेकापार वालों की मोटर साइकिल डीलक्स एम पी 49 एम क्यू 9571 चोरी चली गई।इसके पूर्व में भी शनिवार साप्ताहिक बाजार से बहुत सी मोटरसाइकिलें चोरी गई हुई है उनका भी कोई सुराग ना मिल पाना सोचनीय विषय बना हुआ है।इन घटनाओं पर यदि तत्काल प्रभाव से विराम नहीं लगाया गया तो भविष्य में और भी बड़ी घटनाओं को रोक पाना संभव नहीं हो सकेगा।इन घटनाओं के पीछे कौन है संदिग्ध व्यक्तियों पर भी नजर रखने की जरूरत है।

नही रहे भगवानदास शास्त्री

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर में संचालित मुक्तानंद संस्कृत विद्यालय के पूर्वप्रधानाचार्य पंडित भगवानदास शास्त्री (बड़े गुरु जी) का शुक्रवार को प्रातः 5 बजे 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। आप महेंद्र दुबे के पिताजी थे। आप धार्मिक शिक्षा अच्छे जानकार थे। अंतिम यात्रा स्थानीय नकटुआ मुक्तिधाम मे किया गया। जहां पर समाज के सभी वर्गों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

टैक्स का नहीं कोई हिसाब, राजस्व की हो रही हानि

नगर के व्यापारियों का मारा जा रहा हक

मेला संचालक की मनमानी बरकरार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर के मध्य मे प्रशासन नाक के नीचे बिना मेला लगाकर व्यापार किया जा रहा है। जिससे नगर के व्यापारियों तथा शासन को राजस्व की हानि हो रही है। वही इस ओर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि मेला संचालक द्वारा प्रतिदिन लाखों को व्यापार कर मोटी कमाई कर रहा है। प्रशासन को चाहिये की मेला लगने की तिथि से लेकर समाप्ति का पूरा व्यापारिक टैक्स वसूला जाये। जबकि नगर मे व्यापार करने वाले दुकानदार पूरा टैक्स देने के बाद भी व्यापार मे घाटा खा रहे है।

नियमों की अनदेखी, व्यवस्थायें शून्य मेला संचालक द्वारा शासन के नियमों को दरकिनार करते हुए मेले का संचालन किया जा रहा है। जनपद मैदान में शिल्प मेला प्रदर्शनी लगाकर सामग्रियों का विक्रय किया जा रहा है। वही मनोरंजन के लिये विविध प्रकार के झूले आदि लगाकर बच्चों को लुभाने का कार्य किया जा रहा है। मेले में बेचे जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता का कोई प्रमाणीकरण भी नही है। मेले में कपड़ो के साथ खाने पीने की सामग्रियों का भी विक्रय किया जा रहा है। वही प्रशासन द्वारा उक्त ओर ध्यान नही दिया जा रहा है। मेला संचालक द्वारा गिलास गिराना, बंदूक चालना, रिंग फसाने का खेल भी खिलाया जा रहा है। जो जुआ की श्रेणी मे आते है।

Jabalpur Narmada Bhoomi.pdf - 01 Jan 2025 - Page 4

प्रशासन के नियमों को धता दिखा रहा मेला संचालक

शिल्प मेले के नाम पर चल रहा कारोबार

जांच योग्य है खान पान सामग्री

जनपद मैदान मे लगाये गये मे मेला संचालक द्वारा खानपान की सामग्रियों की भी दुकान लगाई गई। जिनमें ना हो उत्पादन तिथि अंकित है और ना ही कब तक चलेगी। सामग्री की गुणवत्ता क्या है। ऐसी विविध प्रकार की जानकारियां होती है जो उसमें अंकित नही है प्रशासन को चाहिये कि लगाए गए प्रत्येक स्टाल की जांच कर कार्रवाई करे जिससे लोगों को परोसा जा रहा मिलावटी व दूषित खान पान की सामग्री का विक्रय ना हो। मेले मे ऐसी अनेकों विसंगतियां है जिनकी प्रशासन को सूक्ष्मता से जांच करनी चाहिये तथा ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए जिससे आगे किसी भी जिले मे ऐसी सामग्री का विक्रय ना किया जा सके।

व्यापार को नाम पर नगर वासियों से धोखा

मेला संचालक द्वारा नगर में धड़ल्ले से व्यापार किया जा रहा है। वही व्यापारिक दृष्टि से मेले मे सुविधाओं का टोटा बना हुआ है। प्रशासन को चाहिये कि मेले की जांच कर ग्राहकों को मिलने वाली सभी सुविधाओं की जांच की जावे जिससे लोग ठगा महसूस ना कर सके। नगर मे होने वाले इस व्यापार से मेले मे मिलने वाली सामग्री की गुणवत्ता भी उचित नही है तथा व्यापारिक मेले के अनुसार व्यवस्थायें नही है। मेला संचालक द्वारा लोगो को भ्रमित कर सामग्री का विक्रय कराया जा रहा है। मेला संचालक द्वारा लोगो को पैसे फसाने के नाम पर रिंग चलाने का काम किया जा रहा है। जो कि जुंआ की श्रेणी मे आता है। वह खेल जिसमे नगद व उपहार प्राप्त होते एवं प्रतिभागियों के बीच प्रतिद्वंद्विता नही है वह जुंआ की श्रेणी मे आते है यदि दो प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया जाता है जिसमे कोई एक जीतता है वह खेल व मनोरंजन कहलाता है जिसमे नगद व उपहार मिलता है वह जुंआ कहलाता है पुलिस को चाहिये की जांच कर उक्त जुंआ को बंद कराये। नगर में आयोजित होने वाले मेलों मे इस प्रकार के अपराध युक्त खेल नही होने चाहिये जिससे जिले मे शांति व्यवस्था कायम रह सके।

इनका कहना है

जनपद मैदान मे लगाए गये मेले मे सामग्री की गुणवत्ता पूरी तरह ठीक नही है। मेला लगने से नगर के व्यापारियों को हानि हो रही है वही शासन से भी टैक्स की चोरी की जा रही है। प्रशासन ठोस कार्रवाई करें।

रोहित पटैल, युवा कांग्रेस

शीतकालीन योग शिविर का सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस महिला पतंजलि योग समिति द्वारा गायत्री मंदिर परिसर में चल रहे निशुल्क शीतकालीन योग शिविर का समापन हुआ। शिविर में प्रतिदिन अलग-अलग बीमारियों से मुक्ति हेतु संबंधित योग, प्राणायाम, ध्यान, थेरेपी बिंदु, हस्त मुद्राओं, एवं जड़ी बूटियों और पतंजलि द्वारा प्रमाणित दवाइयों की जानकारी दी गई । शिविर के समापन पर महिला पतंजलि की दायित्वधारियों जिला महामंत्री सुषमा मिश्रा, तहसील महामंत्री मंजू श्रीवास्तव एवं सहयोग शिक्षिका रिद्धि श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित सभी योग साधिकाओं का शिविर में पूर्ण उत्साह के साथ भाग लेने हेतु पर अभिनंदन किया तथा नियमित योग करने की बात कही। योगिनियों में रेखा राय, महिमा पवार, मालती पटेल, ज्योति चैरसिया, अमिता शर्मा आदि की सहभागिता रही पतंजलि की महिला समिति के दायित्वधारियों द्वारा गायत्री मंदिर परिसर में सुबह 7 से 8 तक लग रही नियमित क्लास में आने हेतु एवं स्वास्थ्य लाभ लेने मातृ-शक्तियों का आवाहन किया।

टीबी रोगियों को वितरित किया बास्केट फूड

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान एवं 100 दिवसीय नि-क्षय अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षय रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है, जिससे लोगों को संभावित रोगियों की जांच सुनिश्चित हो सके। टीबी मुक्त भारत अभियान में जन भागीदारी सुनिश्चित हो, इसके लिए गांव के टीबी के मरीज को फूड बास्केट उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम देवरीकला, मुड़िया, बगासपुर सिहोरा सहित अन्य ग्रामों में वितरण किया गया। फूड बास्केट के माध्यम से चना, गुड़, आटा, मूंगफली, दाल आदि पोषक युक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध करायी गई। साथ ही उन्हें निरंतर पूरी दवा खाने के लिए प्रेरित किया, ताकि वह पूर्ण रूप से ठीक हो सकें।

लंबित आवेदनों का किया जा रहा निराकरण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत भारत एवं राज्य सरकार की 34 हितग्राहीमूलक योजनायें, 11 लक्ष्य आधारित योजनाओं में हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें शिविरों के माध्यम से हितलाभ प्रदाय किया जा रहा है। जिले के नरसिंहपुर, गाडरवारा, सालीचैका (बाबईकलां), गोटेगांव, करेली, तेंदूखेड़ा, सांईखेड़ा व चीचली के शहरी क्षेत्रों में 3 जनवरी को कुल 142 शिविर आयोजित किये गये। इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 5 हजार 494 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 5 हजार 30 आवेदन स्वीकृत, 75 आवेदन अस्वीकृत और 389 आवेदन लंबित हैं, जिनका निराकरण किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 जनवरी को नरसिंहपुर में 28 शिविरों के माध्यम से 745 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 619 आवेदन स्वीकृत, 6 आवेदन अस्वीकृत व 120 आवेदन लंबित हैं।

नपा द्वारा अवैध होर्डिंग पर की गई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को नगर पालिका द्वारा नगर मे लगे अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टरों को हटाने की कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई शहर के प्रमुख चैराहों और सड़कों के किनारे की गई। जहां लंबे समय से इन होर्डिंग और पोस्टरों ने अतिक्रमण कर रखा था। कार्रवाई के दौरान होर्डिंग में लगी टेंट सामग्री को भी जब्त कर लिया गया। नगर पालिका के अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से चलाया गया है। शहर के कई स्थानों पर अनधिकृत रूप से लगाए गए इन होर्डिंग और पोस्टरों के कारण यातायात में बाधा उत्पन्न हो रही थी और सार्वजनिक स्थलों की सुंदरता भी प्रभावित हो रही थी। नगर पालिका ने चेतावनी दी है कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी और अवैध होर्डिंग लगाने वालों पर सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

बिनोली एवं गोद भराई की कार्यक्रम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस दिगंबर जैन मंदिर कंदेली में आर्यिका 105 दृढ़मति जी का ससंघ सम्पन्न हुआ। उक्त अवसर पर अनिता दीदी एवं ललिता दीदी का दीक्षा पूर्व सहर्ष बिनोली एवं गोद भराई की भव्य कार्यक्रम सम्पन्न हुआ आर्यिका दृढ़मति माताजी के ससंघ के सानिध्य में जुलूस के रूप में भव्य शोभा यात्रा ब्र. अनीता दीदी जी एवं ललिता दीदी की निकाली गई तथा धार्मिक विधि-विधान से गोद भराई एवं बिनौली का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

दो दिवसीय आध्यात्मिक सत्संग समारोह का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्थानीय तुलसी मानस भवन सदर मढ़िया प्रांगण नरसिंहपुर में रामाश्रय सत्संग मथुरा उप केंद्र नरसिंहपुर द्वारा आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन आज 4 जनवरी 2025 को सुबह 9 बजे से 11 बजे एवं शाम 7 बजे से 9 बजे तथा 5 जनवरी 2025 सुबह 9 बजे से 11 बजे तक होगा जिसमें संबंधित महापुरुषों के प्रवचन एवं ध्यान कराया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी विहीन गोटेगांव नगर पालिका परिषद

गोटेगांव। स्थानीय नगर में कई वर्ष हो गए गोटेगांव की धराधाम पर कार्यरत शासकीय कार्यालयों में शुमार और अहम स्थान रखने वाली नगर पालिका परिषद आखिर फुलफ्रेशा अधिकारी विहीन क्यों है।क्या कारण है कि इस स्वशासी संस्था में अधिकारी आते हैं और साल भर भी नहीं व्यतीत हो पाता फिर अपना तबादला स्वयं करवा कर कहीं अन्यत्र चले जाते हैं आखिर ऐसा क्या है इस नगर पालिका में।इन सभी अनुत्तरित सवालों का जबाव कोई नहीं दे पा रहा है जो कि नगर में जन चर्चा का विषय बनता जा रहा है अभी कुछ महीने पहले मुख्य नगर पालिका अधिकारी का चार्ज राजेश मेंहतेल ने लेकर नगर पालिका परिषद के सीएमओ का कार्यभार ग्रहण कर कार्य संभाला था और अब कुछ महीने ही रहकर अपना रुख मोड़ कर तबादला करवा लिया आखिर क्या विशेषता है शहर की नगर पालिका में यह तो जनप्रतिनिधि ही बता सकते हैं फिलहाल तो नगर पालिका परिषद गोटेगांव लगभग एक माह से अधिकारी विहीन कार्यालय है, वही अतिरिक्त प्रभार सीएमओ नीलम चौहान को दिया गया है जो नगरी निकाय नरसिंहपुर में भी सीएमओ का कार्य भार संभाले हुए हैं, वही प्रभारी सीएमओ नरसिंहपुर से हफ्ते में दो या तीन बार नगर पालिका परिषद गोटेगांव आते हैं जिससे नगर की समस्या बढ़ती ही जा रही है,वही नगर के जनहित से जुड़े कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं मगर राजनेता और जनप्रतिनिधि अब भी खामोश है वाह री राजनीति क्या गुल खिला रही है समझ से परे होता जा रहा है।

नोनी करेली मार्ग के उड़े परखच्चे, ग्रामवासी हो रहे परेशान

गोटेगांव । समीपवर्ती रिमझा चौराहा से नौनी करेली के छात्र-छात्राएं पढ़ने के लिए प्रतिदिन प्राइवेट वाहनों से गोटेगांव आते-जाते हैं। लेकिन रिमझा चौराहा से नौनी और करेली कला गांव तक प्रधानमंत्री सड़क की हालत खराब हो गई है। सड़क पर गड्ढे होने से वाहन चालकों को परेशानी होती है और बच्चों को हिचकोले खाने पड़ते हैं। इस सड़क की बदहाली के बारे में कई बार खबरों का प्रकाशन किया गया, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी खामोश हैं। इस मार्ग पर एक पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो गई है। जिससे चार पहिया वाहन नहीं निकल पा रहे हैं। एम्बुलेंस भी इस पुलिया से नहीं निकल पाती है।

संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में तत्काल कदम उठाने की जरूरत है ताकि बच्चों और अन्य यात्रियों को परेशानी न हो। इस मार्ग पर भारी भरकम गड्ढा हो जाने से वाहन वालों के साथ स्कूल जाने वाले बच्चे आते हैं। ऐसे बच्चों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। बच्चों का कहना है कि सड़क के नाम पर सिर्फ गड्ढे ही मिल रहे हैं जिसके कारण आने-जाने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। कोई भी जिम्मेदार अधिकारी उक्त सड़क को दुरूस्त कराने की दिशा में कदम नहीं उठा रहे हैं ग्रामवासी लम्बे समय से लगातार इस सड़क को दुरुस्त करने की मांग कर रहे हैं।